राहुल जी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर भी दें ध्यान

- मोदी भाजपा नेता आडवाणी के पास जमीन पर बैठे थे
- सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणी चर्चा का केन्द्र

नयी दिल्ली, 27 दिसंबर. कांग्रेस कार्यसमिति की यहां शनिवार की बैठक से ठीक पहले पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जन संघ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करती सोशल मीडिया पर प्रेषित एक टिप्पणी चर्चा का केन्द्र बन गयी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और संघ के कटु आलोचकों में गिने जाने वाले सिंह ने एक्स पर एक पुरानी फोटो पोस्ट की, जिसमें वर्तमान प्रधानमंत्री और तबके संघ के एक कार्यकर्ता नरेन्द्र मोदी भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के पैरों के पास जमीन (दरी) पर बैठे हैं। श्री सिंह ने इस फोटो के साथ लिखा, कोरा साइट पर मुझे यह चित्र मिला। बहुत ही प्रभावशाली है। किस प्रकार आरएसएस का ज़मीनी स्वयंसेवक एवं जन संघ @बीजेपी 4 इंडिया का कार्यकर्ता नेताओं की चरणों में फर्श पर बैठकर प्रदेश का मुख्यमंत्री एवं देश का प्रधानमंत्री बना। यह 'संघटन' की शक्ति है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री रह चुके श्री सिंह ने इस पोस्ट के नीचे लिखा, जय सिया राम।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह फोटो 14 मार्च 1995 को गांधीनगर में भाजपा के केशूभाई पटेल के मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह की है। दिग्विजय सिंह ने बाद में कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाताओं के सवालों की बौछार के बीच कहा, मैंने आरएसएस और मोदी की तारीफ नहीं की है। मैंने संगठन की बात की है। मैं आरएसएस और मोदी का घोर विरोधी हूं। जो कुछ कहना था, मैंने कह दिया। इससे पहले सिंह ने 19 दिसंबर को लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के एक वीडियो पर टिप्पणी करते हुए एक्स पर लिखा था, राहुल गांधी जी , सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर आप बिल्कुल सही हैं। (आपको) पूरे नंबर। अब कृपया भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर भी ध्यान दें।

> जैसे भारतीय निर्वाचन आयोग को सुधारों की ज़रूरत है, वैसे ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को भी है। आपने संगठन सृजन से शुरुआत की है, लेकिन हमें और ज़्यादा व्यावहारिक विकेन्द्रीकृत कामकाज की ज़रूरत है। मुझे यकीन है कि आप ऐसा करेंगे क्योंकि मुझे पता है कि आप यह कर सकते हैं। बस दिक्कत यह है कि आपको मनानाआसान नहीं है! सिंह ने इस पोस्ट के अंत में भी जय सिया राम लिखा। उन्होंने इस पोस्ट में गांधी, चुनाव आयोग और कांग्रेस को टैग किया था। वह शनिवार को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में भी शामिल हुए।

मंत्रालय के गलियारे से

कन्हैया लोधी

ताकतवर अफसर का लगातार कम हो रहा वजन

प्रदेश के एक बेहद ही ताकतवर अफसर का वजन लगातार कम हो रहा है, ये साहब सरकार में बेहद ही अहम जिम्मेदारी निभा रहे हैं. इस जिम्मेदारी को पूरी दक्षता से निभाने के लिये कभी ऊपर तो कभी नीचे होते रहते हैं, इसका असर उनकी सेहत पर देखा जा सकता है, साहब का वजन लगातार कम हो रहा है. उनके वजन कम होने के पीछे समन्वय बनाने की बड़ी जिम्मेदारी को भी माना जा रहा है. ये साहब सरकार के बीच की ब

ड़ी कड़ी हैं, ऐसे में वे पूरी ताकत और तन्मयता से अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, अब देखना है कि ये सिलसिला कब तक चलता है.

लड़ाई में किसी की नहीं भलाई

पिछले दिनों प्रदेश कांग्रेस में दिग्गजों के बीच पॉवर गेम का जबर्दस्त दौर चला. हांलाकि ये अब भी चल रहा है और थमा नहीं है, इसका नतीजा तब सामने आया, जब एक कद्दावर नेता ने अपनी जिम्मेदारी से हाथ पीछे खींच लिये और इस्तीफा दे दिया. तत्काल डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश की गई, अब देखना ये है कि वर्ष 2028 का किला फतह करने की तैयारी में लगी पार्टी पर इसका क्या असर होता है. वैसे डैमेज करने वाले नेताओं ने साफ संदेश दे दिया है कि इस लड़ाई में किसी की भलाई नहीं है. इस संदेश का क्या नतीजा होता है ये आने वाले दिनों में पता चलेगा.

ब्रोशर या पुस्तक का वाचन

इस समय प्रदेश के मंत्री दो वर्ष की उपलब्धियों का ब्यौरा दे रहे हैं, बता रहे हैं कि दो वर्ष में कितने तीर मारे और आने वाले समय में कहां निशाना लगाने वाले हैं, जिससे कि प्रदेश की जनता का ज्यादा से ज्यादा कल्याण हो. कुछ इसी फेर में एक मंत्री ने तो एक ब्रोशर का वाचन शुरू कर दिया, जो कि किसी पुस्तक से कम नहीं था. सामने बैठे लोगों का धैर्य जवाब दे गया, लेकिन मंत्रीजी भी कहां मानने वाली थीं, उन्होंने धैर्य का पूरी परीक्षा ली और पूरा वाचन करके ही दम लिया.

....और अफसरों ने मंत्री को उलझा दिया

एक सरकारी कार्यक्रम में पिछले दिनों कुछ ऐसा हुआ कि अफसरों ने मंत्री जी को उलझा दिया. सरकारी कार्यक्रमों में सामान्य तौर पर नॉनवेज नहीं परोसा जाता, लेकिन एक कार्यक्रम में स्नेक्स की शक्ल में वेज के साथ नॉनवेज भी परोस दिया गया. अब तक वेज के आदि रहे आगंतुक वेज के साथ नॉनवेज पर भी टूट पड़े, जब तक समझ आई, तब तक कई वेज वाले नॉनवेज का स्वाद चख चुके थे, बस फिर क्या था पूरी नाराजगी का पूरा नजला मंत्रीजी पर गिरा, आनन-फानन में इसे हटाकर डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश की गई, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी.

स्व. जी.डी. खंडेलवाल श्रद्धा सुमन अर्पित

बैतूल के प्रथम कैबिनेट मंत्री जननायक स्व. जी.डी. खंडेलवाल जी की पुण्यतिथि पर 75 कदम 99 दिन अभियान के साथियों ने उनके निवास पहुंचकर श्रद्धापूर्वक नमन किया एवं श्रीचरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए.

प्रदेश के हेरिटेज महेश्वरी स्टॉल का होगा चयन

कई शहरों में आयोजित किये जायेंगे साड़ी वॉकथान : दिलीप जायसवाल

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 27 दिसंबर. हस्तशिल्प और हैण्डलूम से जुड़े विभाग के ब्रॉण्ड- मृगनयनी, विंध्या वैली, कबीरा और प्राकृत के उत्पाद मप्र पर्यटन की इकाइयों और प्रदेश के प्रमुख धार्मिक केन्द्रों सहित लोकों में विक्रय के लिए आकर्षक रूप से प्रदर्शित कराये जायेंगे.

उन्होंने कहा कि साड़ी पहनने की गौरवशाली परम्परा को प्रोत्साहित करने के लिए इंदौर में हुए साड़ी वॉकथान जैसे आयोजन प्रदेश के अन्य शहरों में आयोजित किये जायेंगे. यह जानकारी कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिलीप जायसवाल ने पत्रकार वार्ता के दौरान दी. दो वर्ष की उपलब्धियों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि रेशम उत्पादन गतिविधियों का प्रदेश के अन्य जिलों में विस्तार तथा इस गतिविधि में निजी भागीदारी को प्रोत्साहित किया जायेगा. प्रदेश के विभिन्न प्रकार के उत्पादों के जीआई टैग प्राप्त करने की जानकारी का संकलन किया जायेगा. उन्होंने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री कार्यालय में अतिथियों को भेंट करने के लिए प्रदेश के हेरिटेज महेश्वरी स्टॉल का चयन किया गया है. विभाग द्वारा यह स्टॉल विशेष रूप से गोंड पेंटिंग और बेलमेटल से सुसज्जित लकड़ी के बॉक्स में प्रदाय किए जा रहे हैं. इन स्टॉल की मांग विदेशी दूतावासों से भी प्राप्त हुई है. जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में मप्र देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है.

> योजना के तहत ऋण प्रकरणों की स्वीकृति में मप्र का देश में चौथा और ऋण वितरण में तृतीय स्थान है. पिछले 2 वर्षों के दौरान 436.34 करोड़ रुपये के 48 हजार 63 ऋण प्रकरण स्वीकृत किये गये हैं. इसी तरह 378.06 करोड़ रुपये के 42 हजार 559 ऋण प्रकरण वितरित किये गये हैं. राज्यमंत्री ने कहा कि कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिये विभिन्न नवाचार किये जा रहे हैं.

12 फर्जी परीक्षार्थियों को 5-5 साल की सजा

व्यापमं घोटाले में आया बड़ा फैसला

- डमी कैंडिडेट बनकर दी थी परीक्षा

14 साल बाद सीबीआई कोर्ट ने सुनाया फैसला

नव भारत न्यूज

इंदौर. व्यापमं घोटाले से जुड़े एक अहम मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने कड़ा रुख अपनाया है.

वर्ष 2011 की व्यापमं परीक्षा में फर्जी तरीके से शामिल हुए 12 आरोपियों को अदालत ने दोषी करार देते हुए प्रत्येक को पांच पांच साल के कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है. यह फैसला लंबे समय से चल रहे इस बहुचर्चित मामले में न्याय की दिशा में बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है.

सीबीआई जांच में सामने आया था कि इन 12 आरोपियों ने अनुचित लाभ लेने के उद्देश्य से असली परीक्षार्थियों की जगह खुद को डमी कैंडिडेट बनाकर परीक्षा दी थी. आरोपियों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए दस्तावेजों में हेराफेरी की और परीक्षा केंद्रों में फर्जी तरीके से प्रवेश किया. जांच एजेंसी के मुताबिक, फर्जी परीक्षार्थियों ने योजनाबद्ध तरीके से असली अभ्यर्थियों की जगह परीक्षा देकर सिस्टम को धोखा दिया. इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच मध्यप्रदेश पुलिस से लेकर बाद में केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपी थी सीबीआई ने विस्तृत जांच के बाद तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर अदालत में चार्जशीट पेश की.

> जांच के दौरान फिंगर प्रिंट मिलान, हैंडराइटिंग एनालिसिस और गवाहों के बयान अहम सबूत के रूप में पेश किए. जिनसे यह साबित हुआ कि परीक्षा में शामिल व्यक्ति वही नहीं थे, जिनके नाम पर फॉर्म भरे थे. करीब 14 साल तक चली इस लंबी कानूनी प्रक्रिया में कई गवाहों के बयान दर्ज हुए और तकनीकी साक्ष्यों की बारीकी से जांच की गई. सीबीआई की विशेष अदालत ने सभी तथ्यों और सबूतों पर विचार करने के बाद फैसला सुनाते हुए 12 आरोपियों को दोषी ठहराया. अदालत ने प्रत्येक दोषी को पांच साल का कारावास और आर्थिक दंड की सजा सुनाई है.

विरोध प्रदर्शन पर एनटीपीसी की सफाई

नई दिल्ली. एनटीपीसी मुख्यालय पर पूर्व सैनिकों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन को लेकर रत्नागिरी गैस एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है. आरजीपीपीएल ने कहा है कि दाभोल पावर कंपनी (डीपीसी) के अधिग्रहण के बाद दिसंबर 2006 में सभी निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करते हुए टेंडर के माध्यम से एक नई सुरक्षा एजेंसी को सुरक्षा कार्य का ठेका दिया गया था. इसके बाद डीपीसी की सुरक्षा में कार्यरत पूर्व सैनिक किसी भी रूप में आरजीपीपीएल द्वारा नियुक्त सुरक्षा एजेंसियों के अधीन नहीं रहे.

मतभेदों के बीच मुकेश नायक का इस्तीफा

विशेष संवाददाता

भोपाल, 27 दिसंबर. वरिष्ठ कांग्रेस नेता, पूर्व मंत्री एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी डॉ. मुकेश नायक ने शनिवार सुबह कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया।

पार्टी सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। डॉ. नायक ने अपना इस्तीफा स्वयं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को उनके निवास पर सौंपा, जिसके बाद पार्टी के भीतर इस फैसले को लेकर व्यापक चर्चा शुरू हो गई है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, डॉ. नायक ने हाल ही में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के दौरान अपने संबोधन में इस निर्णय के संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था कि अब समय आ गया है कि वरिष्ठ नेता अपने पद खाली करें और नई पीढ़ी को आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभालने का अवसर मिले, ताकि संगठन में पीढ़ीगत बदलाव सुनिश्चित हो सके। हालांकि, पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस्तीफे के पीछे इसके अलावा भी अहम कारण रहे हैं। गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर 13 सदस्यीय समिति का गठन किया गया था।

> सूत्रों के मुताबिक, वरिष्ठ नेताओं के बीच इस तरह के तालमेल की कमी से पार्टी के आंतरिक ढांचे और कार्यकर्ताओं के मनोबल पर भी असर पड़ने लगा था, हालांकि वरिष्ठ कैडर स्थिति को संभालने का प्रयास कर रहे थे। इस बीच संगठन महासचिव संजय कमले ने डॉ. नायक से बातचीत कर उन्हें इस्तीफा न देने के लिए मनाने की कोशिश की और भरोसा दिलाया कि सभी निर्णय पार्टी की परंपराओं और नियमों के अनुसार होंगे। इसके बावजूद डॉ. मुकेश नायक अपने इस्तीफे के फैसले पर अडिग रहे। इस संवाददाता द्वारा उनसे संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका मोबाइल फोन बंद मिला।

ढाई करोड़ गबन के मामले में खाते फ्रीज

इंदौर. ब्लॉक शिक्षा कार्यालय में ढ़ाई करोड़ से ज्यादा राशि के गबन का मामला सामने आया है. इसके बाद आज कलेक्टर ने अभी खाते फ्रीज करने के आदेश देकर बैंक में राशि निकालने पर प्रतिबंध लगा दिया है. दो दिन पहले बीईओ कार्यालय में छात्रवृत्ति की राशि निजी खातों में ट्रांसफर करने गबन किया. स्कूल शिक्षा विभाग में 2 करोड़ 57 लाख के गबन मामले में कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर जांच प्रारंभ की जा चुकी है. बीईओ इंदौर कार्यालय के एक क्लर्क और एक भृत्य की संलिप्तता पाई गई. ऐसा बताया जा रहा है कि वर्तमान प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी शांता स्वामी के कार्यकाल में ही गबन होने की चर्चा है.

उपलब्धि | पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने दी जानकारी

सड़कों पर गौवंश नहीं आएंगे नजर

30 नए गौशाला बनाने के लिये टेंडर जारी

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 27 दिसंबर. पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने भरोसा दिलाया है कि अगले दो वर्ष में प्रदेश की सड़कों पर गौवंश नजर नहीं आएंगे.

उन्होंने कहा कि प्रदेश में 30 नए गौशाला बनाने के लिये टेंडर जारी हो गये हैं, इसमें 4 लाख गौवंश को रखा जाएगा. यह बात उन्होंने शनिवार को विभाग की दो वर्ष की उपलब्धियों का ब्यौरा देते हुए पत्रकार वार्ता के दौरान कही. उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वावलंबी गौशाला योजना लांच किया जा रहा है, इन गौशालाओं की क्षमता कम से कम 5 हजार गौवंश को रखने की होगी. इस तरह की गौशाला में कम से कम 50 से 70 करोड़ रुपये का निवेश होगा, ऐसे गौशालाओं में मानव संसाधन रखने की भी जरुरत पड़ेगी. उन्होंने बताया कि पीपीपी मोड पर गौशाला के लिये तो आस्ट्रेलिया से भी निवेश आने वाला है. पटेल ने बताया कि इस तरह की गौशालाएं पूरी तरह आधुनिक होंगी, यहां गौवंश को चिप भी लगाये जाएंगे, जिससे कि उनको अलग पहचान मिल सके साथ ही उनकी निगरानी की प्रभावी व्यवस्था भी होगी. उन्होंने बताया कि निवेशकों को परियोजनाओं की स्थापना के लिए 5 हजार गौवंश के लिये अधिकतम 130 एकड़ भूमि उपयोग के लिये दी जाएगी.

> **18 हजार ग्राम पंचायत होंगे विकसित**
>
> पटेल ने बताया कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने के लिये 18 हजार ग्राम पंचायतों को क्षीरधारा ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा. कृत्रिम गर्भाधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं को पुरूस्कृत किया जाएगा. ऐसे पशुपालक जो अन्य पशुपालकों के लिए उदाहरणीय एवं प्रेरणास्पद हैं, उन्हें पशुपालन आचार्य की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा.

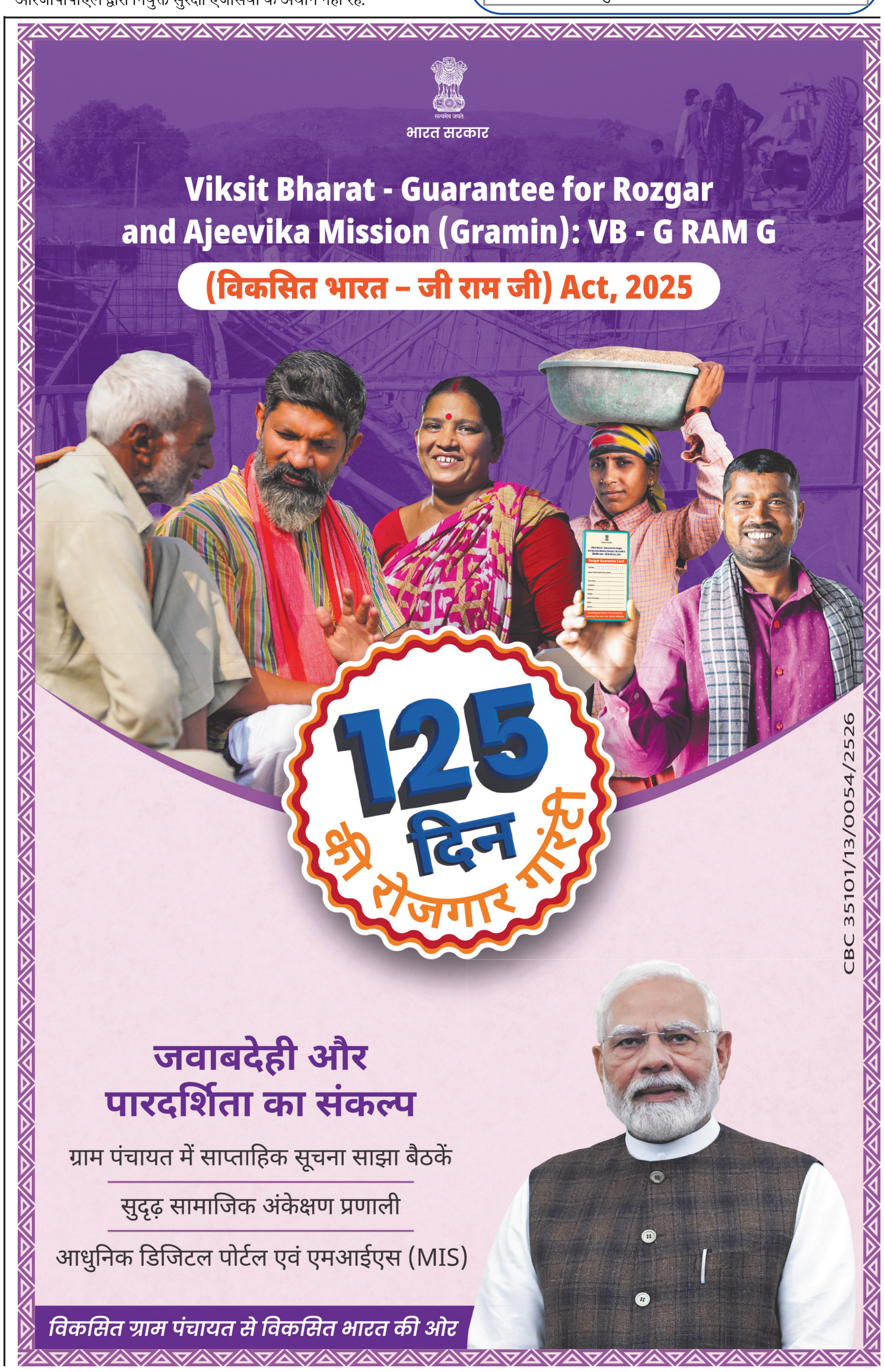

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, महाराणा प्रताप नगर, जोन-1, भोपाल से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स से मुद्रित. संपादक दिलीप झा*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-4939198, ईमेल-bhopalnav@gmail.com RNI Reg. No. 35046/56 डाक पंजीयन क्रमांक M.P/B.P.L/711/2012-14